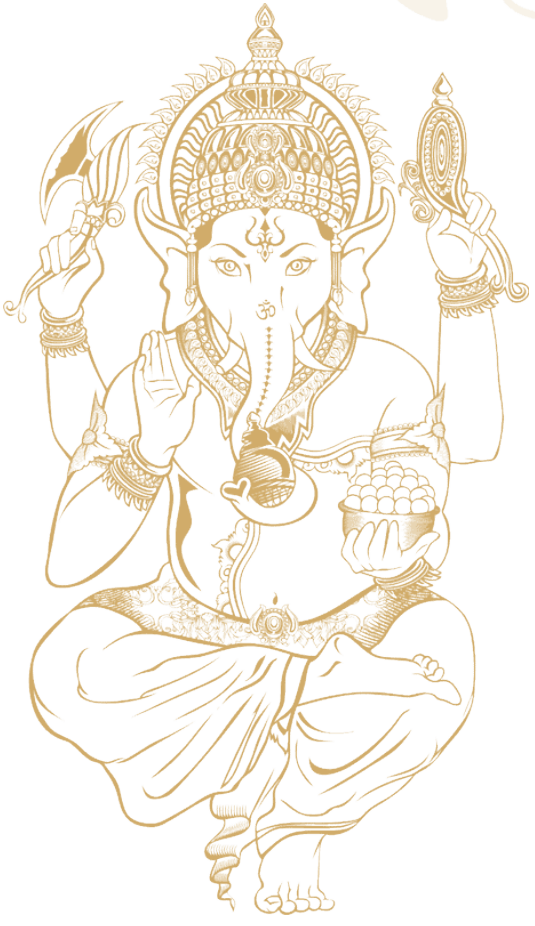

Abhishek Mishra

Jagriti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121883102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/06/1995	जन्म तिथि	02/07/2000
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 03:55:00	जन्म समय	15:45:00 घंटे
घटी 56:50:06	जन्म समय(घटी)	26:16:38 घटी
India	देश	India
Pratapgarh	स्थान	Varanasi
25:52:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
82:02:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:52	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:10:57	सूर्योदय	05:11:38
18:56:14	सूर्यास्त	18:52:19
23:47:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 0वर्ष 7मा 0दि	17:02:58	वृष	लग्न	वृश्चि	05:52:07	गुरु 9वर्ष 0मा 7दि	
सूर्य	06:16:37	मिथु	सूर्य	मिथु	16:58:06	शनि	
21/01/2023	29:32:31	मीन	चंद्र	मिथु	25:49:02	09/07/2009	
20/01/2029	19:39:58	सिंह	मंगल	मिथु	16:44:42	09/07/2028	
सूर्य 10/05/2023	16:50:38	वृष	बुध व	मिथु	23:17:03	शनि 12/07/2012	
चन्द्र 09/11/2023	14:13:56	वृश्चि व	गुरु	वृष	06:34:44	बुध 22/03/2015	
मंगल 16/03/2024	19:54:34	वृष	शुक्र	मिथु	22:43:50	केतु 30/04/2016	
राहु 07/02/2025	00:46:55	मीन	शनि	वृष	02:55:59	शुक्र 01/07/2019	
गुरु 27/11/2025	10:22:06	तुला	राहु व	कर्क	00:44:58	सूर्य 12/06/2020	
शनि 09/11/2026	10:22:06	मेष	केतु व	मक	00:44:58	चन्द्र 11/01/2022	
बुध 15/09/2027	05:49:19	मक व	हर्ष व	मक	26:24:29	मंगल 20/02/2023	
केतु 21/01/2028	01:01:21	मक व	नेप व	मक	11:59:00	राहु 27/12/2025	
शुक्र 20/01/2029	04:35:54	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:53:53	गुरु 09/07/2028	

लग्न-चलित

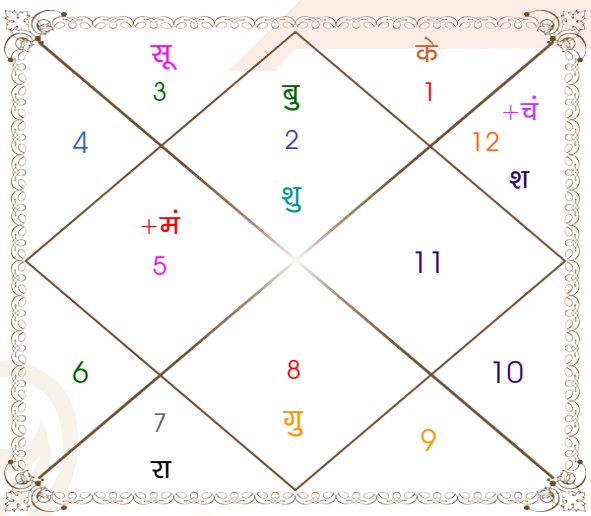

लग्न-चलित

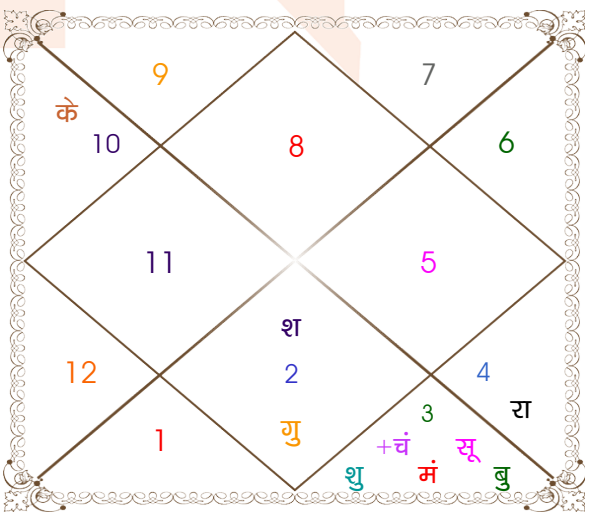

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

ाईपीमा डपीतं का वर्ग सिंह है तथा श्रंहतपजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ाईपीमा डपीतं और श्रंहतपजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ाईपीमा डपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

श्रंहतपजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र श्रंहतपजप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।इीपेीमा डपेीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।इीपेीमा डपेीतं तथा श्रंहतपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।